शिव रुद्राष्टकम

नमामीशमीशान निर्वाणरूपं,
विभुं व्यापकं ब्रह्मवेद स्वरूपम्।
निजं निर्गुणं निर्विकल्पं निरीहं,
चिदाकाशमाकाशवासं भजेऽहम्॥

निराकारमोङ्करमूलं तुरीयं,
गिराज्ञान गोतीतमीशं गिरीशम्।
करालं महाकाल कालं कृपालुं,
गुणागार संसारपारं नतोऽहम्॥

तुषाराद्रि संकाश गौरं गभीरं,
मनोभूत कोटि प्रभा श्री शरीरम्।
स्फुरन्मौलि कल्लोलिनी चारूगंगा,
लसद्भाल बालेन्दु कंठे भुजंगा॥

चलत्कुण्डलं भ्रूनेत्रं विशालं,
प्रसन्नाननं नीलकण्ठं दयालम्।
मृगाधीश चर्माम्बरं मुंडमालं,
प्रिय शंकरं सर्वनाथं भजामि॥

प्रचण्डं प्रकष्टं प्रगल्भं परेशं,
अखण्डं अजं भानुकोटि प्रकाशम्।

त्रयः शूल निर्मूलनं शूलपाणिं,
भजेऽहं भवानीपतिं भावगम्यम्॥

कलातीत कल्याण कल्पान्तकारी,
सदा सच्चिनान्द दाता पुरारी।
चिदानंद संदोह मोहापहारी,
प्रसीद प्रसीद प्रभो मन्मथारी॥

न यावद् उमानाथ पादारविन्दं,
भजन्तीह लोके परे वा नराणाम्।
न तावद् सुखं शांति संतापनाशं,
प्रसीद प्रभो सर्वभूताधिवासं॥

न जानामि योगं जपं नैव पूजां,
न तोऽहम् सदा सर्वदा शम्भू तुभ्यम्।
जरा जन्म दुःखौघ तातप्यमानं,
प्रभोपाहि आपन्नामामीश शंभो॥

रूद्राष्टकं इदं प्रोक्तं विप्रेण हर्षोतये।
ये पठंति नरा भक्तया तेषां शंभो प्रसीदति॥

[1]

[1] सौजन्य से:

धर्मयात्रा **(DharmYaatra)**

वेबसाइट: https://dharmyaatra.in/

व्हाट्सऐप नंबर: +917410957600

नोट: यदि आप वैदिक ज्ञान 🔱, धार्मिक कथाएं 🕉️, मंदिर व ऐतिहासिक स्थल 🛕, भारतीय इतिहास, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य 🧠, योग व प्राणायाम 🧘‍♂️, घरेलू नुस्खे 🥥, धर्म समाचार 📰, शिक्षा व सुविचार 👣, पर्व व उत्सव 🪔, राशिफल 🌌 तथा सनातन धर्म की अन्य धर्म शाखाएं ☸️ (जैन, बौद्ध व सिख) इत्यादि विषयों के बारे में प्रतिदिन कुछ ना कुछ जानना चाहते हैं तो आपको धर्मयात्रा संस्था के विभिन्न सोशल मीडिया खातों से जुड़ना चाहिए। उनके लिंक हैं:

व्हाट्सएप ग्रुप व्हाट्सएप चैनल

फेसबुक पेज इंस्टाग्राम प्रोफाइल